उत्साह और अट नहीं रही

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

कक्षा-10

प्रस्तुतकर्त्रीः
डॉ लाजो कपूर

Daliganj Crossing R
The Ch
Nirala Nagar
Water Tank
Shankar Nagar Rd
KAPOORTHALA

तीन वर्षों तक लखनऊ में रहे
उन्हीं के नाम पर निराला नगर है
www.quikr.com

लखनऊ में
निराला जी का घर

कवि : श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘ निराला ’

आधुनिक छायावादी कवि : निराला

- जीवन काल :1896-1961
- बंगाली, अंग्रेजी, संस्कृत और हिन्दी का ज्ञान स्वाध्ययन से प्राप्त
- छायावाद के प्रसिद्ध कवि होने के साथ उपन्यास, कहानी एवं निबन्धों की रचना

मुख्य कविताएँ

- जूही की कली
- सरोज स्मृति
- तुलसीदास
- राम की शक्ति पूजा
- कुकुरमुत्ता
- तोड़ती पत्थर
- भिक्षुक

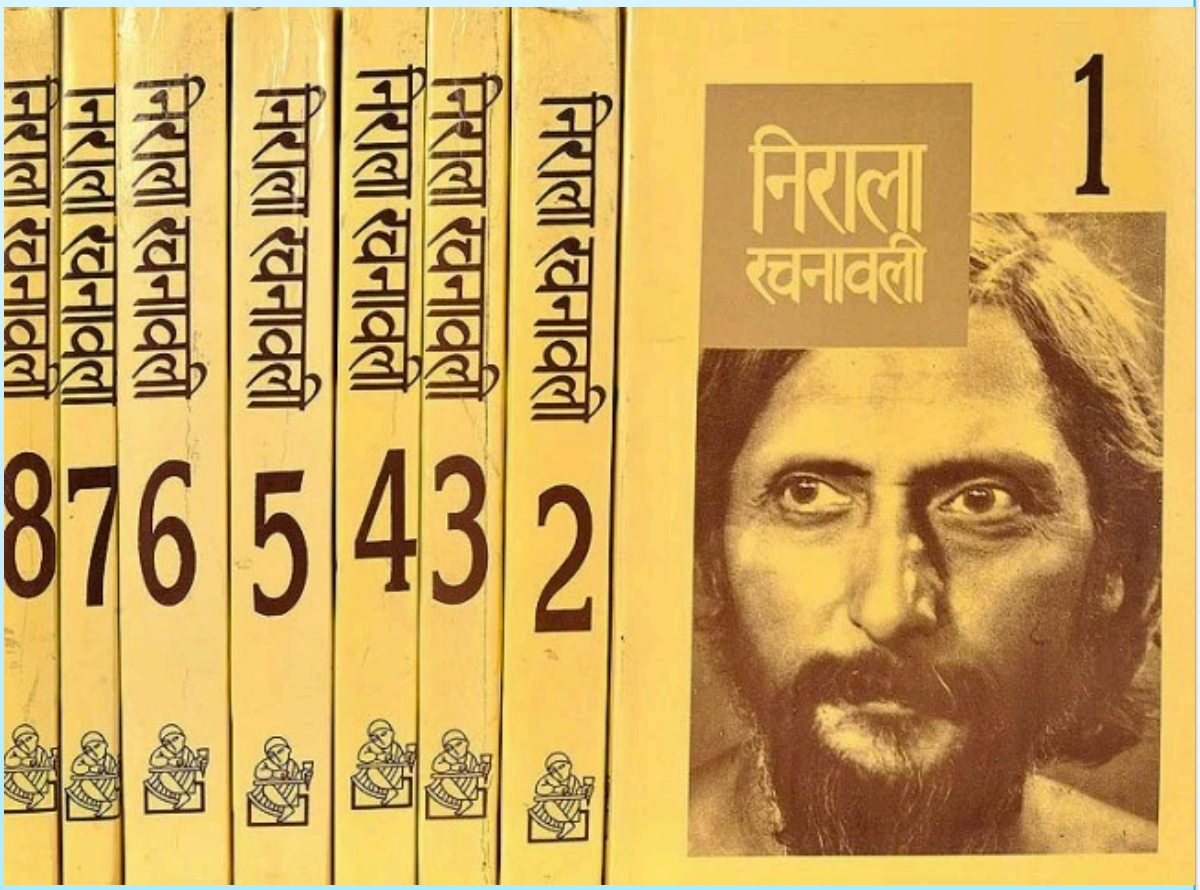

‘निराला’ उपनाम कितना सार्थक ?

- समाज के हर वर्ग के प्रति गहरी सहानुभूति : गरीब , असहाय एवं पीड़ित वर्ग से प्रेम
- क्रान्तिकारी विचारधारा से युक्त होने के कारण रचनाओं में तीखा विद्रोह भरा व्यंग्य
- काव्यगत रूढ़ियों का विरोध : हिन्दी को पहली छंदमुक्त रचना ‘जूही की कली’ देने वाले
- मस्तमौलापन एवं बेपरवाही भरी प्रवृति के कारण परम्पराओं को तोड़ने में सफल
- स्वभाव से फक्कड़ और अक्खड़ होने के कारण कहीं भी अधिक समय तक नहीं रह सके
- दृढ़ प्रतिज्ञ होने के कारण **महाप्राण** कहकर संबोधित किये जाते हैं

चित्र में आप किसे देख रहे हैं ?

आकाश में घिरे हुए
बादल

बादल की गर्जना मन में किन भावों को जन्म देती है ?

उत्साह

नयी उमंग

वर्षा की सूचना

परिवर्तन की उमीद

भावगत विशेषताएँ

- आह्वानगीत
- सामाजिक क्रांति
- बादल का विद्रोही एवं उदात्त रूप में चित्रण

भाषा की विशेषताएँ

- ओजपूर्ण भाषा
- सम्बोधन शैली
- अलंकार प्रयोग
- मुक्त छंद

फागुन की आभा

मन प्रसन्न हो तो प्रकृति में चारों ओर प्रसन्नता स्वतः दिखाई देती है

कविता 'अट नहीं रही है'

इसी भाव को व्यक्त करती है

धन्यवाद